उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2013
अंक योजना हिन्दी (ऐच्छिक)
कूटबंध सं. 29/1/1,
29/1/2,
29/1/3

कक्षा XII

प्रश्न सं.	**प्रश्न पत्र गुच्छ सं.**			**उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	29/1/1	**29/1/2**	**29/1/3**		
1	1	2	1	अपठित गद्यांश	**15 अंक**
	क	क	क	• प्रेमचंद हिंदी व उर्दू के साहित्यकार। • साहित्य में रुचि रखने वाले सभी उनसे परिचित – यह दृढ़ विश्वास।	2
	ख	ख	ख	प्रसिद्ध साहित्यकार – पर न दिखाना, न अंहकार। अनुशासित, कर्मठ व सरल जीवन के कारण ही प्रेमचंद, प्रेमचंद थे।	2
	ग	ग	ग	मुँह–अँधेरे उठ जाना, प्रातः एक घण्टा सैर करना अपने ज़रूरी कार्य स्वयं करना।	
	घ	घ	घ	जो स्वयं अपना काम न करें। काम करते–करते जिनकी हथेलियों में छाले–गट्टे न पड़ें। क्योंकि कर्मठ व्यक्ति ही भोजन व अन्य सुखों का सच्चा अधिकारी है।	2 1+1=2
	ड.	ड.	ड.	घर में झाड़ू–बुहारी कर देना, पत्नी बीमार हो तो चूल्हा जला देना, बच्चों को दूध पिलाकर तैयार कर देना, अपने कपड़े स्वयं धोना आदि कार्यों के साथ–साथ लिखने के लिए भी नियमित वक्त निकालना।	2
	च	च	च	देश की उन्नति के लिए समय की पाबंदी निश्चित रूप से आवश्यक है। प्रेमचंद	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				समय–पाबंदी की बात कहते ही नहीं उस पर आचरण भी करते थे।	
	छ	छ	छ	शीर्षक : i) प्रेमचंद बस प्रेमचंद थे। ii) मुशी प्रेमचंद और आदर्श जीवन। iii) प्रेमचंद और जीवन आदर्श। (गद्यांश से संबंधित अन्य उपयुक्त शीर्षक भी मान्य होगा।)	1
	ज	ज	ज	सार्थक व उचित प्रयोग होने पर पूरे अंक दिए जाएँ।	1
	झ	झ	झ	संयुक्त वाक्य : 1 उन्होंने अपना सारा जीवन बिताया परन्तु कठिनाइयों से जूझते ही रहे।	1
	ञ	ञ	ञ	प्रत्यय : ई, ता	½+½=1
2	2	1	2	<u>अपठित काव्यांश</u>	**1X5=5अंक**
	क	क	क	• देश के कर्मवीरों को। • प्रत्येक परिस्थिति व क्षेत्र में कर्मवीर ही आगे बढ़ते हैं।	½+½=1
	ख	ख	ख	हिम्मत हारने वाला/कायर/डरपोक हर विषम परिस्थिति में आगे बढ़ते रहो।	½+½=1
	ग	ग	ग	नदी कभी रुकती नहीं, जहाँ से गुजरती है उस स्थान को हरा–भरा कर देती है। नदी की भाँति प्रगतिशील भी आगे बढ़ता है।	1
	घ	घ	घ	'दीपक' अखंड रूप से जलकर, अँधेरों से लड़कर उजाला देता है। 'फूल' खिलकर अपने आस–पास के वातावरण को सुगंधित, आनंदित व सौंदर्यपूर्ण बना देता है –	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	ड.	ड.	ड.	जिंदगी एक निश्चित परिभाषा से परे, रहस्यमयी, नित नूतन, परिवर्तनशील है। इसे पूर्णतः समझ पाना असंभव है।	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**अथवा**	
	क	क	क	बर्फीली वादियों, तटों व देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के लिए। देश की सुरक्षा हेतु, देश को दुश्मनों की कुदृष्टि से बचाए रखने के लिए।	
	ख	ख	ख	'हिमालय पर्वत' पाकिस्तान और चीन के साथ भारत की सीमा निर्धारित करता है और प्रहरी का काम करता है।	½+½=1
	ग	ग	ग	देश की सीमाओं की रक्षा, खेत–खलिहानों में अच्छी पैदावार, आर्थिक विकास, नवीन तकनीकी व वैज्ञानिक उन्नति हो सकेगी।	1
	घ	घ	घ	भारत की कृषि–प्रधान भूमि में अच्छी पैदावार हो, नई तकनीक, नए प्रयोग द्वारा चारों तरफ हरियाली खुशहाली फैले। गरीबी, अन्न–संकट मिटने पर ही नई	1
	ड.	ड.	ड.	सोच, ज्ञान–विज्ञान की किरणें बरसेंगी। हम देशवासी यदि चाहें तो देश की भीतरी–बाहरी सुरक्षा, उन्नति व चहुँमुखी विकास हो सकता है। प्रत्येक देशवासी जागे तो देश दिन–दुगुनी रात चौगुनी उन्नति कर सकता है।	1 1
				खण्ड 'ख'	
	3	4	3	निबंध : क) प्रस्तावना 1 अंक	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
3				ख) विषयवस्तु 5 अंक ग) भाषा शुद्धता 2 अंक घ) प्रस्तुतिकरण 1 अंक ड.) उपसंहार 1 अंक	10 अंक
4	4	3	4	पत्र : क) आरंभ एवं समाप्ति 1 अंक ख) विषयवस्तु 3 अंक ग) भाषा शुद्धता 1 अंक	5 अंक
5	5	–	–	मुद्रित माध्यम अर्थात छपी हुई सामग्री – यह जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना है। अखबार, पत्रिकाएँ पुस्तकें आदि मुद्रित माध्यमों के सटीक उदाहरण हैं। विशेषताएँ : **(किन्हीं दो कारणों का उल्लेख अपेक्षित)** • छपे हुए शब्दों में स्थायित्व। • लिखित भाषा अनुशासन की माँग करती है। • यह चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है। (किन्हीं दो कारणों का उल्लेख अपेक्षित) 1 निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं। 2 यह रेडियो, टी.वी. या इंटरनेट की तरह तुरंत घटी घटनाओं को प्रेषित नहीं कर सकते। 3 ये एक निश्चित अवधि पर प्रकाशित होते हैं जैसे साप्ताहिक या मासिक, दैनिक आदि। 4 लेखक को जगह (स्पेस) का ध्यान रखना होता है और शब्द सीमा का भी।	5 अंक 1+2+2
	5 अथवा	–	–	• क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहाँ	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				हुआ। • कब हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ। उन्हें छह ककारों के रूप में जाना जाता है। उदाहरण – 'समाचार' – मास्को में छत ढहने से 4 लोग मरे, 29 घायल। इंट्रो में चार ककार क्या – 4मरे 29 घायल कौन – आम नागरिक कब – गुरुवार की शाम कहाँ – उत्तर पश्चिम मास्को का बाज़ार। समाचार की बॉडी में दो ककार कैसे – छत ढहने से आतंकवादी घटना नहीं क्यों – छत पर बरफ़ जमने से	
	–	6	–	रेडियो में अखबारों की तरह हेडलाइन अलग से नहीं बल्कि समाचार से ही गुंथी होती है। श्रोता के लिए समय का फ्रेम हमेशा 'आज' होता है। इसलिए समाचार में 'आज', 'तड़के' आदि का प्रयोग किया जाता है। संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना अच्छा होगा किन्तु यदि वह बहुत लोकप्रिय है जैसे 'यूनिसेफ' आई सी आई सी आई बैंक तो इसका इस्तेमाल सीधे भी किया जा सकता है।	**5 अंक**
	–	6 अथवा	–	• अधिकांश समाचार 'उल्टा पिरामिड' शैली में लिखे जाते हैं। • किसी घटना, समस्या या विचार के सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य व जानकारी को सबसे पहले पैराग्राफ में। • उसके बाद में उससे कम महत्त्वपूर्ण	**3+2=5 अंक**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

	–	–	5 5 **अथवा**	सूचना या तथ्य की जानकारी। • यह प्रक्रिया तब तक जारी जब तक समाचार खत्म नहीं हो जाता। विद्यार्थी द्वारा किसी घटना या समस्या का उदाहरण देकर स्पष्टीकरण आवश्यक है। जिन जनसंचार के माध्यमों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग होता है वे सभी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम कहलाते हैं :– उदाहरणार्थ–रेडियो, टेलीविजन, कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाइलफोन, फैक्स मशीन इत्यादि। <u>विशेषताएँ</u> :– • बहुत तेज़ माध्यम, खबरों भी पुष्टि तत्काल। • चौबीसों घंटे समाचार व अन्य सूचनाएँ उपलब्ध। • दृश्य–श्रव्य माध्यम। • अधिक सटीक व प्रामाणिक। • बैंकिग, पैसे का लेन–देन, शेयर मार्किट का व्यापार, बिजली– पानी व टेलीफोन के बिल, खरीददारी आदि अनेक सुविधाओं का लाभ किन्हीं चार का उल्लेख अपेक्षित है। **अथवा** रेडियो और दूरदर्शन के समाचारों की भाषा की विशेषताएँ : – • बोलचाल की भाषा का ही इस्तेमाल। • वाक्य छोटे, सीधे और स्पष्ट। • सरल, सम्प्रेषणीय एवं प्रभावी। • भाषा प्रवाहमयी एवं वाक्यों में तारतम्य।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• जहाँ आवश्यक हो वहाँ मुहावरों के प्रयोग से भाषा को आकर्षक एवम् प्रभावी बनाया जाए किंतु विद्वता दिखाने के प्रयास में कठिन शब्दों एवम् वाक्यों का प्रयोग न हो। (किन्हीं पाँच का उल्लेख)	
6	6 क	5 क	6 क	आमतौर पर खोजी पत्रकारिता सार्वजनिक महत्व के मामलों में भ्रष्टाचार एवं गड़बड़ियों को सामने लाने की कोशिश करती है। इसका एक नया रूप टेलीविजन में स्टिंग ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है।	**1X5=5अंक** 1
	ख	ख	ख	संपादकीय पृष्ठ पर अखबार द्वारा विभिन्न घटनाओं और समाचारों पर अपनी राय रखी जाती है। संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता इसलिए उसे किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता। आमतौर पर अखबार में संपादक या सहायक संपादक ही संपादकीय लिखते हैं।	1
	ग	ग	ग	<u>खोजी पत्रकारिता</u> : – जिसमें गहराई से छानबीन करके ऐसे तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाने का प्रयास होता है। जिन्हें दबाने या छिपाने की कोशिश की जा रही हो।	1
	घ	घ	घ	<u>पिरामिड शैली</u> – सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखना और उसके बाद घटते हुए महत्त्व क्रम में सूचनाओं की जानकारी देना। पिरामिड शैली के अंतर्गत समाचार को तीन भागों में विभाजित किया जाता है – इंट्रो, बॉडी और समापन। <u>टी.वी. की भाषा की विशेषताएँ</u>	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	ड.	ड.	ड.	सरल, सम्प्रेषणीय, प्रवाहमयी एवं प्रभावी हों। वाक्य छोटे हों और उनमें तारतम्य बना रहे। शब्द प्रचलित हों व उनका उच्चारण सहजता से किया जा सके। शब्द बोलचाल के करीब हों पर विद्वता न झलके बल्कि अपना सहज पड़ोस दिखाई दें। (किन्हीं दो का उल्लेख)	1
				खंड 'ग'	
7	7	8	7	संदर्भ (कवि, कविता) पूर्वापर संबंध / प्रसंग व्याख्या विशेष / काव्य सौंदर्य काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या– सिचरी अगिनि ––––– हम लाग कवि : मलिक मुहम्मद 'जायसी' कविता – पद्मावत के 'बारहमास' से <u>प्रसंग</u> : रानी नागमती का विरह वर्णन। उसका पति रत्नसेन बाहर गया है। शीत ऋतु, अगहनमास में प्रेमी (पति) के वियोग में नायिका (नागमती) का विरहाग्नि में जलना। <u>व्याख्या</u> – • शीत से बचने के लिए जगह–जगह अग्नि जलाना। • इस अग्नि का विरहणियों के हृदय को और अधिक जलाना। • विरह में जलने के दुख को पति नहीं जानता। • प्रेमिका के यौवन इस विरहाग्नि में भस्म होना। • नागमती का भौंरे और काग द्वारा अपने पति को संदेश भेजना।	½+½=1 1 5 1 **8 अंक**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				• विरहाग्नि से जो धुँआ निकला उसी से हमारा (भौंरे व काग का) शरीर काला पड़ गया। विशेष – • नागमती की विरहावस्था। • अगहनमास के शीत का प्रभाव। • भौंरे व कौए को दूत बनाकर भेजना। • विरहाकुलता की पराकाष्ठा। • विरोधाभास, वीप्सा अलंकार। • भाषा–अवधी। • छंद–चौपाई–दोहा। • रस–श्रृंगार, वियोगावस्था।	
	7 **अथवा**	8 **अथवा**	7 **अथवा**	**अथवा** दुख ही ———————— तेरा तर्पण कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – सरोज–स्मृति प्रसंग : – बेटी सरोज के आकस्मिक निधन पर निराला का विलाप निराला का जीवन संघर्ष, समाज से उसके संबंध, पुत्री के प्रति बहुत कुछ न कर पाने का अपराधबोध प्रकट हुआ है। व्याख्या – हमने (निराला ने) जीवन में धर्म पर चलकर कवि कर्म किया लेकिन हमारे कर्म से तुम जीवन भर कष्ट में रही और मैं तुम्हें सुख नहीं दे सका। अतः मैं अपने उन कार्यों का तुम्हें अर्पण कर तर्पण कर रहा हूँ।	
	7 अथवा	8 अथवा	7 अथवा	विशेष – • कवि हृदय में असीम वेदना के साथ ही साथ दृढ़ इच्छा शक्ति भी प्रकट हुई। • तत्सम प्रधान भाषा।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

8	8 क	–	8 क	• शीत के–से शतदल – उपमा अंलकार। • क्या कहूँ ––––– नहीं कहीं' – में वक्रोक्ति अलंकार। • क्या कहूँ, पथ पर, तेरा तर्पण – अनुप्रास अंलकार। <u>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर</u> – <u>कार्नेलिया के गीत के आधार पर भारत की विशेषताएँ</u> : – • भारतीय संस्कृति महान, अतीत गौरवशाली। • प्राकृतिक सौन्दर्य अद्भुत तथा बार–बार उसके सौन्दर्य को निहारने की इच्छा। • भारत की धरती पर सूर्य की पहली किरणें पड़ना। • यहाँ अनजान एवं विदेशी व्यक्तियों को भी आश्रय। • यहाँ के निवासियों के हृदय में दया, करुणा व सहानुभूति। • सभी के लिए सुख की कामना। • कभी किसी के लिए भी बुरा न सोचना आदि।	3+3 **=6अंक**
	ख	–	ख	• कवि अज्ञेय ने बूँद की क्षणभंगुरता को उजागर किया। • सागर–समाज का प्रतीक, बूँद व्यक्ति का प्रतीक है। • बूँद का अस्तित्व क्षणिक है पर सूर्य की लालिमा में क्षणभर को उस बूँद का रंगीन हो चमक उठना निरर्थक नहीं। • व्यक्ति अपने क्षणिक नश्वर जीवन को भी बूँद की तरह अनश्वरता तथा सार्थकता प्रदान कर सकता	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

	ग	–	ग	है। • प्रत्येक क्षण कीमती है – एक क्षण के कारण भी व्यक्ति की जीवन दिशा बदल सकती है। • प्रत्येक क्षण का भी अपना महत्व है। • व्यक्ति व समष्टि के इस तथ्य में कवि ने भारतीय जीवन दर्शन एवम् आत्मा–परमात्मा के संबंध को भी उजागर किया है। 'केशवदास' द्वारा रचित 'अंगद' शीर्षक सवैया में राम और रावण के प्रभाव–पराक्रम में अंतर – 1) धनुरेख राई न तरी – रावण का लक्ष्मण रेखा पार करने में असमर्थ होना। राम के वानर हनुमान ने विशाल समुद्र को भी लाँधकर पार कर लिया। 2) 'वारिधि बाँधि के बाट करी' – तुम हनुमान को बाँधने में असमर्थ रहे। श्री राम ने सागर पर पुल बाँध दिया अर्थात पुल द्वारा रास्ता बना दिया। 3) तेलनि तूलनि पूँछि जरौ न जरौ, जरौ लंक जराइ जरो। – पूँछ में आग लगा देने पर भी हनुमान का कुछ नहीं बिगड़ा बल्कि उन्होंने रावण की सोने की बनी लंका को जलाकर खाक कर दिया।	
	–	9 क	–	'वसंत आया' कविता में कवि रघुवीर सहाय की चिंता – • इस मशीनी युग में लोगों की व्यस्त जिन्दगी। • प्रकृति से लोगों का नाता टूटना। • प्रकृति के परिवर्तनों को न देखना न	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				समझ पाना। • धीरे–धीरे मनुष्य का संवेदनहीन होते जाना–वसंत जैसी मादक ऋतु भी लोगों को आह्लादित नहीं कर पाती। • दफ़्तर की छुट्टी से वसंत पंचमी का पता चलना। • पेड़ों से पत्रों का गिरना, नई कोंपलों का फूटना, हवा का बहना, ढाक–वन का सुलगना, कोयल–भ्रमर की मस्ती आदि पर आज के मनुष्य की निगाह का न जाना कवि की चिंता का विषय है।	
	–		–		
	–	ख	–	भरत ने राम के स्वभाव की विशेषताएँ उजागर कीं – • अपराधी व पापी व्यक्ति पर भी राम का क्रोध न करना। • राम की भरत पर विशेष कृपा क्योंकि भरत उनके अनुज हैं। • राम तो खेल में भी कभी कमी न निकालते अर्थात् कभी भी अप्रसन्नता प्रकट न करते। • राम ने भरत का साथ बचपन से ही दिया। • खेल में जीतकर भी राम जान बूझकर हार जाते ताकि भरत को विजय मिले।	
	–	9 ग	–	• बनारस शहर की पूर्णता और रिक्तता बड़ी ही विचित्र है। पूर्णता से तात्पर्य वहाँ बच्चों के जन्म लेने से है • रिक्तता अर्थात रोज़ाना बहुत से लोग मरते हैं जिन्हें अपने कंधों पर उठाकर लोग गंगा के तट की ओर	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
9	9 क	7 क	–	जाते हैं। • बच्चों का जन्म लेना पूर्णता तथा लोगों का मरण ही रिक्तता है। किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य ऊँचे तरूवर ––––––––चली गई। • प्रकृति में आए परिवर्तन वसंत ऋतु के आगमन की जानकारी देते हैं। • प्रकृति से प्रेम करने वाला व्यक्ति ही आसानी से परिवर्तन को समझ सकता है। • खड़ी बोली का प्रयोग। • कुऊकी, चुरमुराए, पियराए, फिरकी जैसे देशज शब्दों का प्रयोग। • प्राकृतिक वातावरण का सजीव वर्णन। • 'बड़े–बड़े' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार। • पियराए पत्ते–अनुप्रास अलंकार। • फिरकी सी आई – उपमा अलंकार। • 'गरम पानी से नहाई हवा' – मानवीकरण अलंकार। • मौसम में हल्की सी गरमी का होना। • माधुर्य गुण एवम् लक्षणा शब्द शक्ति का प्रयोग।	3+3 =6अंक
	खं	खं	–	छल–छल थे ––––––––– अँगड़ाई। • देवसेना के जीवन संघर्ष और हृदय की व्यथा का मानवी चित्रण • तत्सम शब्दावलीयुक्त खड़ी बोली का प्रयोग। • प्रसाद गुण एवं करुण रस। • भाषा विषयानुकूल गंभीर एवम् परिष्कृत।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				• 'आँसू–से गिरते थे प्रतिक्षण'–उपमा अलंकार। • 'छलछल' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार। • मेरी यात्रा ––––––अँगड़ाई–––में नीरवता का मानवीकरण। • भाषा में चित्रात्मकता एवम् संगीतात्मकता का गुण।	
	ग	ग	–	कुसुमित कानन ––––––––झाँपइ कान। • नायक के वियोग में विरहातुर नायिका की मनोदशा का सजीव एवम् मार्मिक चित्रण। • मैथिली भाषा। • विप्रलंभ–शृंगार का मर्मस्पर्शी चित्रण। • वियोगावस्था में नायिका का सुध–बुध खो बैठना। • कुसुमित कानन,'कोकिल–कलरव'मधुकर धुनि सुनि' – में अनुप्रास अलंकार। • 'कमलमुखि' –उपमा अलंकार।	
	–	–	9 क	कवि घनानंद के द्वारा रचित 'सवैया' में प्रेमी अपनी प्रेमिका सुजान को प्रेमपत्र अर्थात हितपत्र लिखता है। • हितपत्र में नायिका की श्रेष्ठता व प्रेम का वर्णन। • प्रेमिका ने पत्र को पढ़कर भी नहीं देखा। • उसे फाड़कर (पत्र के) टुकड़े–टुकड़े कर दिए। • पत्र के प्रति उपेक्षा व टुकड़े करके फाड़ देने का दिल टूट गया।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
	–	–	ख	• अज्ञेय ने 'दीप' को व्यक्ति तथा 'पंक्ति' को समाज का प्रतीक बताया है। • मनुष्य स्वयं को सर्वशक्तिमान, सर्वगुण संपन्न मानता है। • पर मनुष्य की कामना है उसका समाज में विलय हो जाए। • समष्टि का अंग बनने से व्यक्ति का मान और बढ़ेगा व समाज और राष्ट्र भी मज़बूत होगा।	
	–	–	ग	कवि 'विष्णु खरे' ने अपनी कविता 'सत्य' में स्पष्ट किया – • सत्य दिखाई देता है किन्तु वही सत्य अचानक ही हमारी आँखों के सामने से ओझल हो जाता है। • सत्य की कोई स्थिर पहचान, स्थिर रुप भी नहीं है अर्थात सत्य का रूप परिस्थिति, पात्र, घटना और वातावरण के अनुसार बदलता ही रहता है।	
10	10	10	10	<u>गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या</u> प्रसंग संदर्भ व्याख्या भाषा मैं तो केवल––––––––संन्यास ले लिया। पाठ – कच्चा चिट्ठा लेखक – ब्रजमोहन व्यास <u>प्रसंग</u> : बिना कोई व्यय किए पुरातत्व संबंधी सामग्री का संकलन संग्रहालय के लिए करते रहने का प्रयास। <u>व्याख्या</u> : अपने पुत्र अर्थात संग्रहालय के प्रति लेखक ने यथासंभव अपने सारे कर्तव्य निभाए। जन्म, लालन–पालन, विशालभवन	2 3 1 } **6अंक**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

	अथवा	अथवा	अथवा	आदि। • किन्तु संग्रहालय के संरक्षण की चिंता करते हुए डॉ. सतीश चंद्र काला को नियुक्त किया। **अथवा** साहित्य का पाँच जन्य––बुलावा देता है। लेखक – रामविलास शर्मा निबंध – यथास्मै रोचते विश्वम प्रसंग : लेखक ने साहित्य के उद्देश्य व आदर्श रूप को स्पष्ट किया। व्याख्या : असली साहित्य मनुष्य को आगे बढ़ने, गलत बातों का विरोध करने की प्रेरणा, संघर्ष, कर्म का संदेश देता है। • पिंजड़े का उदाहरण स्पष्ट करना अपेक्षित है। • पिंजड़े में भाग्य भरोसे बैठने की नहीं उसे तोड़ देने की प्रेरणा देता है। • कायरों व पराभव्–प्रेमियों को भी साहित्य जीवन की समरभूमि में उतरने का आमंत्रण देता है। विशेष 1) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली। 2) साहित्य का उद्देश्य, कर्म का स्पष्टीकरण। 3) भाषा प्रवाहपूर्ण एवं प्रभावी।	
11	–	11 क	–	• लोक विश्वासों में निहित अंधविश्वास। • मिट्टी के ढेलों के आधार पर या नक्षत्रों के आधार पर जीवन साथी का चयन अनुचित है। वैज्ञानिक सोच के आधार पर किया गया चयन सुखदायी, पेरक और विकास के मार्ग पर ले जाने वाला होगा।	4+4 **=8अंक**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				वैज्ञानिक सोच ही ऐसे अंधविश्वासों के प्रति दृढ़ विश्वास को तोड़ सकता है क्योंकि वह उचित–अनुचित की समझ देता है। (अन्य उचित तर्क भी स्वीकारें जाएँ)	1+3=4
	–	ख	–	• 'संदेश वाहक' अर्थात् संवदिया संवाद पहुँचाने का काम करता है। • संवदिया निठल्ला, कामचोर और पेटू किस्म का आदमी होता है, अकेला होता है। बिना मजदूरी लिए गाँव–गाँव संवाद पहुँचाता है।	1+3=4
	–	ग	–	• लेखक और उनकी पत्नी अराफ़त के साथ एक मेज़ पर बैठकर खा रहे थे तो अराफ़ात का अपने हाथ से फल छीलकर खिलाना, शहद की चाय बनाना आदि।	4
	11 क	–	–	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित – 'दूसरा देवराज' शीर्षक मुख्य पात्र अर्थात कहानी के नायक पर आधारित। 'देवराज' शब्द का प्रयोग प्रतीकात्मक। व्ह अपनी प्रेमिका को पागलपन की हद तक प्यार करता है। संभव भी पारो को पाने के लिए हर संभव प्रयास करता है।	4
	ख	–	–	• कुटज में अपराजेय जीवनशक्ति। • विषम परिस्थितियों में शान से जीने की अद्‌भुत क्षमता। • सभी परिस्थितियों को समान भाव से स्वीकारना। • स्वावलंबी और आत्मविश्वासी। • हमने स्वतंत्रता के बाद पश्चिम की अंधी नकल की।	1+3=4
	ग	–	–	हमने अंधानुकरण करके योजनाएँ बनाईं लेकिन परिवेश और पर्यावरण की अनदेखी की। प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के	2+2=4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				संतुलन को आधुनिकीकरण की भेंट चढ़ा दिया। हमने भारतीय परिस्थितियों को नहीं समझा। • गुसलखाने के बाहर तौलिया लिए खड़े मिलना।	
	–	–	12 क	जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपने घर–ज़मीन से उखाड़ कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। क्योंकि विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है वे फिर घर लौट नहीं पाते।	2+2=4
	–	–	ख	शेर व्यवस्था का प्रतीक। व्यवस्था पर उँगली उठाते ही व्यवस्था खूँखार हो जाती है और विरोध में उठे स्वर को कुचलने का प्रयास करती है। जनता को भ्रमित कर झूठा विश्वास दिलाना।	4
	–	–	ग	गरीब नट के पास कुछ न होने के कारण क्रिसमस के पर्व पर हताश सा बाहर खड़ा रहता है। तभी उसे माता मरियम की अभ्यर्थना अपने करतब दिखाकर करने का विचार आता है। वह खाली गिरजा में घुसकर अपने करतब करने लगा। पादरी उसे भगाने लगता है तो क्या देखता है कि माता मरियम उसका पसीना पोंछती है। ईश्वर की अराधना के लिए सच्ची भक्ति ज़रूरी है।	2+2=4
12	12	12	11	अंक विभाजन (क) जन्म, जीवन परिचय (ख) रचनाएँ (ग) काव्यगत विशेषताएँ/भाषा–शैली (तीन विशेषताएँ लिखिए)	2 1 3 **6अंक**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

	12 **अथवा**	12 **अथवा**	11 **अथवा**	घनानंद जन्म –1673 ई. घनानंद मुगल बादशाह मुहम्मदशाह रंगीले के दरबार में मीरमुंशी थे। ये 'सुजान' नामक राजनर्तकी पर आसक्त हो गए। घनानंद राजदरबार में कविता सुनाते थे। ये सुजान की बेवफ़ाई से निराश व दुखी होकर वृंदावन चले गए और वे निंबार्क सम्प्रदाय के वैष्णव बन गए। रचनाएँ – सुजान सागर, विरह लीला, कृपाकुंड निबंध, प्रेमसरोवर, प्रिया–प्रसाद, प्रेम–पत्रिका, सुजान हित। (किन्हीं दो का उल्लेख) काव्यगत विशेषताएँ (1) स्वच्छंद प्रेम काव्यधारा की सभी विशेषताएँ पाई जाती हैं। (2) शृंगार वर्णन अधिक सुंदर व मार्मिक है। (3) भाव–प्रवणता के अनुरूप अभिव्यक्ति को स्वाभाविक वक्रता देते हैं। (4) इनका प्रेम लौकिकता से ऊपर उठकर अलौकिक प्रेम की बुलंदियों को छूता है। घनानंद प्रेम के मार्ग को सीधा सरल बताते हैं – ''अति सूधोसनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।'' (कोई तीन) **अथवा** अज्ञेय–सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय जन्म–1911 में कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) में	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

	12	12	11	हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा–अंग्रेज़ी व संस्कृत में प्राप्त की। उन्होंने बी.एस.सी. पास की और एम.ए. (अंग्रेज़ी) में पढ़ाई की। स्वतंत्रता संग्राम में अपनी भूमिका एक क्रांतिकारी के रूप में निभाई। 1930 में ये गिरफ्तार कर लिए गए। 1943 से 46 तक सेना में रहे। जोधपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे। ये समाचार साप्ताहिक (दिनमान) व दैनिक नवभारत टाइम्स के सम्पादक रहे। रचनाएँ – भग्नदूत, चिंता, हरीघास पर क्षणभर, 'इंद्रधनु रौंदे हुए', 'आंगन के पार द्वार', 'कितने नाव में कितनी बार' (कोई दो) काव्यगत विशेषताएँ – • प्रगतिवादी आंदोलन के ज़ोर को पकड़ते हुए युगों से चली आ रही घिसी–पिटी परंपराओं को छोड़कर नवीन परंपराओं को अपनाया। उनका प्रवर्तन अज्ञेय जी ने 'तार सप्तक' के संकलन द्वारा किया। • सूक्ष्म कलात्मक बोध, समृद्ध कल्पना, संकेतमयी अभिव्यंजना व भावनाओं को नूतन रूप से व्यक्त किया है। • उन्होंने 'मैंने आहुति बनकर देखा' कविता में बड़े प्रभावोत्पादक ढंग से भावनाओं को अभिव्यक्त किया है। यथा – • ''काँटा कठोर है, तीखा, उसमें मर्यादा है। • मैं कब कहता हूँ यह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने। • भाषा संस्कृतनिष्ठ स्वच्छ व परिष्कृत खड़ी बोली है।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				• भाषा भाव व विचारों के अनुरूप हैं • उन्होंने बिम्ब विधान प्रतीक योजना को अपनाया (कोई तीन)	
	अथवा			फणीश्वरनाथ रेणु जन्म व जीवन परिचय जन्म–1921, बिहार के पूर्णिया जिले औराही हिंगना गाँव। 1942 में 'भारत छोड़ो' स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया। 1953 में साहित्य–सृजन क्षेत्र में आए। राजनीति में प्रगतिशील विचारधारा के समर्थक थे।	
	12 अथवा	12 अथवा	11 अथवा	रचनाएँ कहानी संग्रह – ठुमरी, अग्निखोर आदिम रात्रि की महक,'तीसरी कसम', 'उर्फ मारे गए गुलफाम' उपन्यास – 'मैला आँचल', 'परती परिकथा' (कोई दो) भाषा शैली • आंचलिक शब्दों का प्रयोग। • भाषा संवेदनशील, संप्रेषणीय उवं भाव प्रधान है। • उनकी भाषा अंतरमन को छू लेने वाली है। पाठ का सटीक उदाहरण अपेक्षित (कोई अन्य बिंदु, कुल तीन विशेषताएँ)	
	12 **अथवा**	12 **अथवा**	11 **अथवा**	**अथवा** भीषम साहनी जन्म व जीवन परिचय (1) 1915 में पाकिस्तान के रावलपिंडी नामक शहर में हुआ। (2) प्रारंभिक शिक्षा – कस्बे के स्कूल में उच्च शिक्षा – लाहौर।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				(3) शिक्षा – एम.ए., पी.एच.डी. ज़ाकिर हुसैन कॉलेज में अंग्रेज़ी पढ़ाते रहे। (4) विदेशी भाषा प्रकाशन गृह मास्को में अनुवादक पद पर कार्यरत रहे। (5) रूसी भाषा का अध्ययन किया निधन – 2003 में। रचनाएँ – कहानी संग्रह भाग्य रेखा, भटकती राह, पहला पाठ, पटरियाँ, वाड्.चू, झरोखे उपन्यास – तमस, कड़ियाँ, वसंती (दो का उल्लेख) भाषा–शैली • भीष्म साहनी की भाषा सीधी–सादी है। • वर्णनात्मक शैली का प्रयोग किया है। • उर्दू शैली के शब्दों का यथास्थान प्रयोग। • भाषा में पंजाबी भाषा का भी पुट मिलता है। • छोटे–छोटे वाक्यों का प्रयोग। • संवादों का प्रयोग वर्णन में गतिशीलता ला देता है। • नोट–पाठ का सटीक उदाहरण (तीन विशेषताएँ)	
13	13 क	13 क	13 क	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित – आत्मविश्वासी – खेतों में झरने का पानी लाकर सिंचाई का प्रबंध करना, उजड़ी गृहस्थी को पुनः जमाना। धैर्यशाली – विषम परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोते। आत्मसम्मानी–रूप के तरस खाकर साथ चलने के आवेदन को ठुकराना।	**2+2=4अंक** 1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				स्नेहशील – रूप के प्रतिस्नेह भावना। (किन्हीं दो विशेषताओं की चर्चा अपेक्षित)	
	ख	ख	ख	वह अपमान का बदला लेना चाहता था। सूरदास के रुपयों का लालच होने के कारण। जगधर के भड़काने पर। (किन्हीं दो कारणों का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	ग	ग	ग	गाँव के प्राकृतिक सौंदर्य के कारण। ग्रामीण जीवन–शैली, लोक कथाएँ और लोक मान्यताओं के कारण।	1+1=2
14	14 क	14 क	14 क	पर्यावरण संरक्षण संबंधी मूल्यों की चर्चा करते हुए कम–से–कम एक कारण की समीक्षा विद्यार्थी द्वारा दिए गए तर्क–सम्मत उत्तर स्वीकार किया जाए।	**2 अंक**
	ख	ख	ख	विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। कम–से–कम तीन कारणों/उपायों की चर्चा।	**3 अंक**
15	15	15	15	पर्वतीय प्रदेश के रहनेवालों के जीवन–संघर्ष तथा प्राकृतिक परिवेश से जुड़े रहना। प्राकृतिक आपदा, भूस्खलन, पत्थरों का खिसकना आदि से पूरा जीवन नष्ट हो जाता है लेकिन पहाड़ी लोग ऐसे में भी जीवन चलता रहता है बिना किसी बाधा के। महीप का 15कि.मी. जाना और लौटना, स्त्रियों का खेतों में काम करना आदि।	**6 अंक**
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**अथवा** संधर्षशील – अन्याय और अनीति के विरुद्ध संधर्ष करता है।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		

				सहृदय एवं परोपकारी – भैरों की प्रताड़ना से सुभागी को बचाना और संरक्षण देना। कर्तव्यनिष्ठ – मिट्ठू के प्रति प्रेम की भावना, उसका पालन–पोषण मानवोचित दायित्व का निर्वाह। (अन्य उपयुक्त बिंदु)	